✓ समाजीकरण का विचार डीवी के शिक्षा दर्शन की एक महान देन है।

✓ 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।' — अरस्तु / डीवी।

✓ 'विद्यालय समाज का लघु रूप है' — डीवी।

✓ जॉन डीवी प्रयोजनवाद का समर्थक था।

✓ "दैवीसत्ता, शाश्वत मूल्य तथा सत्य सब कोरी कल्पना है।" — डीवी

✓ 'दर्शन शिक्षा की उपज है।' — डीवी

✓ 'दर्शन का व्यवहारिक रूप शिक्षा है।" — डीवी

✓ डीवी ने शिक्षक का मुख्य कार्य उचित वातावरण का निर्माण करना बताया है।

✓ डीवी ने स्थायी मूल्यों के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

✓ डीवी के अनुसार मानव जीवन की प्रक्रिया अनुभव से आगे बढती है।

✓ 'विद्यालय समाज के सच्चे प्रतिनिधि है।' — डीवी

✓ डीवी का सबसे प्रसिद्ध शिक्षण सिद्धान्त 'करके सीखना' सिद्धान्त है

✓ डीवी ने शिक्षा में दो तत्वों को महत्वपूर्ण माना है → 1. रुचि
2. प्रयास

✓ डीवी पाठ्यक्रम के सिद्धान्त — (1) मनोवैज्ञानिक (2) सामाजिक

✓ बालक में चार प्रकार की रुचियाँ दिखायी देती है — विचार, रचना, खोज, एवं कला

✓ डीवी ने शिक्षक को समाज में ईश्वर का प्रतिनिधि माना है।

डीवी के अनुसार दर्शन का आधार प्रकृतिवाद एवं मानववाद है।

Scanned with CamScanner